



पत्रांक / Ref. :

दिनांक / Dated :

के.सं.वि./गं.ना.झा परिसर/शो.प्र.-/39/2024/1322

28.02.2024

सेवा में,  
निदेशक  
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,  
सम्बन्धित परिसर

विषय – सत्र 2021 – 2022 के शोधच्छात्रों के स्वीकृत शोधशीर्षक के सन्दर्भ में।  
महोदय,

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयान्तर्गत सत्र 2021- 2022 के तत्तद् विषयों के शोधच्छात्रों द्वारा शोधप्रस्ताव प्रस्तुति दिनांक 29.01.2024 से 01.02.2024 तक ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुई। इस प्रस्तुति में सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया। संलग्न सूची में जिन निर्दिष्ट शोधच्छात्रों का शोधशीर्षक, संशोधित शोध-शीर्षक स्वीकृत किया गया है, वे शोधच्छात्र अपने शोध कार्य से सम्बन्धित विषयों में अपने अपने मार्गदर्शकों के निर्देशन में विद्वानों द्वारा प्रदत्त परामर्शानुसार अपना शोधप्रस्ताव तैयार कर शोध एवं विकास प्रकोष्ठ को प्रेषित करें।

यह पत्र सक्षम अधिकारी के निर्देश पर निर्गत किया गया है।

सादर,

(प्रो.देवदत्त सरोदे)  
संयोजक

प्रतिलिपि

1. अधिष्ठाता शैक्षिक, के.सं.वि.वि.नई दिल्ली
2. सम्बन्धित शोध केन्द्र
3. सम्बद्ध सज्जिका

(प्रो.देवदत्त सरोदे)

संयोजक

सूची संलग्न है -



DU No - 1344  
Dt 28/02/2024

DIRECTOR SHRI SADASHIV CAMPUS <director-puri@csu.co.in>

## सत्र 2021-22 के शोधछात्रों के स्वीकृत शोधशीर्षक के संदर्भ में

1 message

Research & Development Cell <rdc@csu.co.in>

Wed, Feb 28, 2024 at 3:24 PM

To: DIRECTOR SHRI SADASHIV CAMPUS <director-puri@csu.co.in>, rc\_ssc@csu.co.in

कृपया संलग्न फाइल का अवलोकन कीजिए।

### Research & Development Cell

Central Sanskrit University  
Ganganath Jha Campus,  
Azad Park, Prayagraj - 211002  
0532-2460956 (Fax), 0532-2460957  
Email Id- [rdc@csu.co.in](mailto:rdc@csu.co.in)  
Website- <http://www.csu-prayagraj.res.in/>

### 2 attachments

Covering Letter.pdf  
250K

Sadashiv Campus.pdf  
1554K

S.O.  
Dt  
28/02/24

To  
M.M.P.jr.  
688 28/2/24

OFFICE OF THE DIRECTOR  
CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY  
SHREE SADASHIVA CAMPUS, PURI(ODISHA).

Notification No. ....

Date :-29.02.2024

Xerox copy of the overleaf letter No.- CSU/GNJHA CAMPUS/R&P-39/2024/1322, Dtd: 28.02.2024 alongwith list of Research Scholars for the year 2021-22 received from Prof. Devadutt Sarode, Co-ordinator, CSU, Ganganath Jha Campus, Prayagraj (UP) is hereby sent to the following for information and necessary action accordingly .

1. Prof. Anupama Prusty, Co-ordinator & Dr. G. Shukla , Asst Co-ordinator R&D Cell ,CSU,SSC,Puri .
2. All Guides of concerned Research Scholars, CSU,SSC,Puri. They are directed to intimate the same to their concerned Research Scholars (2021-22) ,
3. WhatsApp group of Research Scholars (2021-22).
4. Notice Board/ Notice Book / Campus Website for wide circulation.

(PROF. ATUL KUMAR NANDA)  
DIRECTOR

Puri

29/02/24

# शोधप्रस्ताव समीक्षण

सत्र (2021-2022)

CSU Sadashiv Campus Puri

| S.N. | Name               | Campus                    | Subject   | Guide Name              | Research Title                                                                                             | प्रतिवेदन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|------|--------------------|---------------------------|-----------|-------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1    | Mamata mahanty     | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya   | Dr. Kishore Kumar Dalai | श्यामानन्दविरचितस्य कर्णिकाकाव्यस्य विश्लेषणात्मकं सम्पादनम्                                               | <p>शोध शीर्षक अस्वीकृत है - विशेषज्ञों ने जो सम्भावित शोध शीर्षक बताये हैं वे इस प्रकार हैं -</p> <p>श्यामानन्दविरचितस्य ग्रन्थावल्याः सांस्कृतिकमध्ययनम्</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. शोधच्छात्रा अपने मार्गदर्शक के साथ अग्रिम काल में होने वाले शोध प्रस्ताव समीक्षण में उपस्थित होकर पुनः शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                        |
| 2    | Babitarani Behera  | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya   | Dr. Kishore Kumar Dalai | पण्डितराजश्रीवाणेशिशाप्रणीतस्य चकोरदूतकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्                                      | <p>शोधशीर्षक अस्वीकृत है - पुनः प्रस्तुत करें।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. शोधच्छात्रा द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव के विषय में विशेषज्ञों ने कहा कि यह ग्रन्थ पूर्व में ही प्रकाशित हो चुका है अतः किसी भिन्न विषय के साथ पुनः शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| 3.   | Satyanarayan Panda | Sadashiv Campus, Puri     | Education | डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर   | पश्चिमबङ्गालस्थमेदिनीपुरमण्डलस्य उच्चमाध्यमिकस्तरीय-संस्कृतच्छात्राणां व्यावसायिकाकाङ्क्षायाः - एकमध्ययनम् | <p>यथावत् शोधशीर्षक स्वीकृत है -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. विशेषज्ञों द्वारा प्रदत्त निर्देशों का पालन अपेक्षित है।</li> <li>2. अंग्रेजी भाषा में भी शीर्षक लेखन अपेक्षित है।</li> <li>3. परिकल्पना का भी निर्माण करें।</li> <li>4. शोध सीमाङ्कन अपेक्षित है, पूर्वोक्त विषय में मार्गदर्शन के लिए शिक्षा शास्त्र के विशेषज्ञों सम्पर्क कर उनका सहयोग प्राप्त कर शोध प्रस्ताव का निर्माण करें।</li> <li>5. शोध प्रस्ताव का निर्माण करने के पश्चात् अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध विकास प्रकोष्ठ को 15 दिन के भीतर ई-मेल माध्यम से प्रेषित करें।</li> </ol> |



|   |                             |                           |         |                               |                                                                                             |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|---|-----------------------------|---------------------------|---------|-------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4 | Suchitra Sahoo              | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya | डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव  | संस्कृतच्छन्दसाम् उत्कलच्छन्दोभिः सहान्तः सम्बन्धविषयकं विश्लेषणात्मकमध्ययनम्               | संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br>'संस्कृतच्छन्दसामुत्कलच्छन्दोभिः सहान्तः सम्बन्धस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्'<br>1. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| 5 | Saswatika Mishra            | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya | Prof. Kishore Kumar Dalai     | रामचन्द्रकवेः खण्डकाव्यानां समीक्षात्मकं सम्पादनम्                                          | संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br>महाकविरामजीठक्कुकृतकाव्येषु संस्कृतिसमाजपर्यावरणाध्ययनम्'<br>1. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार पूर्वकृत कार्यों का समीक्षण अपेक्षित है। क्योंकि प्रकृत लेखक से सम्बद्ध अनेक साहित्य पूर्व में प्रकाशित है, उसका परिशीलन अवश्य करें।<br>2. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।                                                                                                                       |
| 6 | Ronali priyadarshini biswal | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya | Prof. Kishor Kumar dalai      | श्रीचित्रधरचिन्तशृङ्गारसारिणीवीरतरंगिण्योः समीक्षात्मकं सम्पादनम्।।                         | संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -श्रीचित्रधरचिन्तशृङ्गारसारिणीवीरतरङ्गिण्योः सम्पादनमनुशीलनञ्च'<br>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव में विभाग अधोलिखित प्रकार से अपेक्षित है -<br>1. भूमिका भाग<br>2. सम्पादन भाग<br>3. अनुशीलन भाग<br>4. परिशिष्ट भाग<br>5. मातृका अप्रकाशित है इसकी पुष्टि शोधच्छात्रा एवं मार्गदर्शक अवश्य करें।<br>6. विशेषज्ञों के परामर्श के अनुरूप शोध प्रस्ताव का निर्माण करें, निर्मित शोध प्रस्ताव पर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ प्रयागराज को ई-मेल माध्यम से 15 दिन के भीतर प्रेषित करें। |
| 7 | BIKASH KUMAR PRADHAN        | CSU Sadashiv Campus, Puri | Sahitya | Dr. Dharmendra kumar singhdeo | भारतीयज्ञापारम्परायां नैतिकामूल्यानां राष्ट्रियशिक्षानीतिः 2020 दृशा विश्लेषणात्मकमध्ययनम्। | शोधच्छात्र शोध प्रस्ताव समीक्षण में अनुपस्थित रहा।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |

|     |                             |                              |         |                                 |                                                                      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|-----|-----------------------------|------------------------------|---------|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 8   | Susobhan Sinha<br>Mahapatra | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | Prof. Mahesh<br>Jha             | चिदानन्दभिक्षुकृतगीतगोविन्दटीकायाः<br>समीक्षात्मक सम्पादनम्          | संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br>चिदानन्दभिक्षुकृतगीतगोविन्दटीकायाः सम्पादनमनुशीलनञ्च<br>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव में विभाग अधोलिखित प्रकार से<br>अपेक्षित है -<br>1. भूमिका भाग<br>2. सम्पादन भाग<br>3. अनुशीलन भाग<br>4. परिशिष्ट भाग<br>5. प्राप्त परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के<br>हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15<br>दिन के भीतर प्रेषित करें।                                                               |
| 9   | Rojalin Mishra              | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | Prof. Kishore<br>kumar dalai    | A critical edition of Rasikaranjini<br>written by Benidatta.         | शोध शीर्षक स्वीकृत नहीं है - पुनः प्रस्तुत करें।<br>1. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार यह विषय पूर्व में प्रकाशित है, अतः पुनः नवीन<br>विषय के साथ शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| 10  | Rajlaxmi Dixit              | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | Prof. Kishore<br>kumar Dalai    | The critical editing of<br>Ramchandrakabikrta<br>Gobindaprasastih    | शोध शीर्षक स्वीकृत नहीं है -<br>पुनः प्रस्तुत करें।<br>1. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार इस विषय को स्वीकृत नहीं किया जा सकता,<br>अतः नवीन विषय के साथ पुनः शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| 11  | Ravi Narayan<br>Acharya     | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | डा. धर्मेन्द्र कुमार<br>सिंहदेव | महामहोपाध्यायशङ्करभिरविचित्रसारणवस्य -<br>समीक्षात्मक सम्पादनम्      | शोध शीर्षक अस्वीकृत है -<br>पुनः प्रस्तुत करें।<br>1. विशेषज्ञों के मतानुसार ग्रन्थ पूर्व में ही प्रकाशित है, अतः नवीन विषय के<br>साथ पुनः शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| 12. | Priyadarshini<br>Indira     | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | प्रो. किशोर कुमार<br>दलाई       | मालाविजयकाव्यस्य<br>परिशीलनात्मकमध्ययनं सम्पादनं चा                  | शोध शीर्षक स्वीकृत नहीं है - पुनः प्रस्तुत करें -<br>1. शोधच्छात्रा द्वारा प्रस्तुत पाण्डुलिपि पर पूर्व में ही कार्य हो चुका है, अतः<br>पुनः नवीन शीर्षक के साथ शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| 13. | SHREEDHAR<br>SAHOO          | CSU Sadashiv<br>Campus, Puri | Sahitya | डा. धर्मेन्द्र कुमार<br>सिंहदेव | समकालीन-<br>रहस्यरासात्मककाव्यानां सामाजिक साहित्यिकञ्च<br>परिशीलनम् | संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br>रहस्यरासात्मककाव्यानां सांस्कृतिक दार्शनिकज्वानुशीलनम्<br>1. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध में नवीनता एवं अपूर्वता अपेक्षित है।<br>2. रास सम्बद्ध दार्शनिक तत्त्वों का समावेश आवश्यक है। अनेक आचार्यों ने<br>रासपञ्चाध्यायी से सम्बद्ध कार्य किये हैं उनका परिशीलन करें।<br>3. तथा विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं<br>मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के<br>ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें। |



|    |                        |                                    |                    |                            |                                                                           |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|----|------------------------|------------------------------------|--------------------|----------------------------|---------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 14 | Suchitra Rani<br>Raut  | CSU<br>Sadashiv<br>Campus,<br>Puri | Sankhya<br>Yoga    | डॉ. सागरिका<br>नन्दा       | साङ्ख्यशास्त्रीप्रत्ययसंगीतकृतत्वानां<br>वेदान्तबौद्धागमदृष्ट्या अध्ययनम् | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>घटितघटनानामालोके भारतीयदर्शनगतपुनर्जन्मसिद्धान्तानां विवेचनम्</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>विशेषज्ञों के निर्देशानुसार घटितघटना के परिप्रेक्ष्य में शोध प्रस्ताव पर कार्य करें, शोध में अपूर्वता तथा नवीनता का समावेश अपेक्षित है।</li> <li>भारतीय दर्शन की प्रकाशित पुस्तकों का भी निरीक्षण करें। विभिन्न सम्प्रदायों के पुनर्जन्म के सिद्धान्तों का समावेश भी शोध में हो सकता है, भारतीय धर्म तथा पुनर्जन्म सिद्धान्तों की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन करते हुए कार्य करें।</li> <li>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।</li> </ol> |
| 15 | Sasmita Rani<br>Parida | CSU<br>Sadashiv<br>Campus,<br>Puri | Advaita<br>Vedanta | Dr. Bhagaban<br>Samantaray | वराहपुराणे परिपठितचिक्तेतोपाख्यानस्य<br>कठोपनिषद तुलनात्मकमध्ययनम्        | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>कठोपनिषद्वराहपुराणयोः दार्शनिकतत्त्वानां समीक्षणम्</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>विशेषज्ञों के निर्देशानुसार अध्याय विभाजन योजना अपेक्षित है। प्रस्तावना, विषय विवेचन के विषय में विद्वानों के निर्देश के अनुसार कार्य करें।</li> <li>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                  |
| 16 | Rasmita<br>kumari jena | CSU<br>Sadashiv<br>Campus,<br>Puri | Nyaya              | Dr. Ganpati<br>shukla      | ज्ञानधारितसमाजनिर्माणे<br>गौतमोक्तसिद्धान्तानामुपयोगात्मक<br>विश्लेषणम्   | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>भारतीयन्यायप्रणाल्यां गौतमोक्तसिद्धान्तानामुपयोगः</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>शोधच्छात्रा न्यायविदों पूर्वन्यायाधीशों तथा विधि न्यायप्रणाली से सम्बद्ध विद्वानों से सम्पर्क करें, इसके लिए 'संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान', डोंगवाला नवदेहली के 'श्री लक्ष्मीनरसिंहजी' से भी सम्पर्क किया जा सकता है,</li> <li>इस प्रकार के जो पूर्व कार्य हुये हैं उनका भी परिशीलन आवश्यक है।</li> <li>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर करवाकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।</li> </ol>                                                                                                 |
| 17 | Susila<br>Chindra      | CSU<br>Sadashiv<br>Campus,         | Sankhya<br>Yoga    | Professor<br>Mahesh Jha    | A Critical edition of<br>sankhyatatwamaba commentary by<br>Gonu Jha       | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>गोनझाविरचितस्य साङ्ख्यतत्त्वार्णवस्य सम्पादनमनुशीलनञ्च</p> <p>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव में विभाग अधोलिखित प्रकार से अपेक्षित है -</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |

|    |               |                           |                 |                      |                                                                                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|----|---------------|---------------------------|-----------------|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|    |               | Puri                      |                 |                      |                                                                                | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भूमिका भाग</li> <li>2. सम्पादन भाग</li> <li>3. अनुशीलन भाग</li> <li>4. परिशिष्ट भाग</li> <li>5. अन्य हस्तलेखों का भी अन्वेषण तथा परिशीलन करें।</li> <li>6. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर कराकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| 18 | Sangita das   | CSU Sadashiv Campus, Puri | Dharmashastra   | Lalit Kumar sahu     | The editing of manuscript krushpa bhatta sraddhadidhiti                        | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>कृष्णभट्टप्रणीतायाः श्राद्धदीधितेः सम्पादनमनुशीलनञ्च'</p> <p>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव में विभाग अधोलिखित प्रकार से अपेक्षित है -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भूमिका भाग</li> <li>2. सम्पादन भाग</li> <li>3. अनुशीलन भाग</li> <li>4. परिशिष्ट भाग</li> <li>5. अन्य हस्तलेखों का भी अन्वेषण तथा परिशीलन करें।</li> <li>6. हस्तलेख की जानकारी के लिए गङ्गानाथ झा परिसर के पाण्डुलिपि विभाग में भी सम्पर्क किया जा सकता है। पूर्व में इस विषय में प्रकाशित एवम् अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का अन्वेषण अपेक्षित है।</li> <li>7. विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव का निर्माण कर अपने एवं मार्गदर्शक के हस्ताक्षर कराकर शोध प्रस्ताव को शोध विकास प्रकोष्ठ के ई-मेल पर से 15 दिन के भीतर प्रेषित करें।</li> </ol> |
| 19 | SUBHRAJIT PAL | CSU Sadashiv Campus, Puri | Navya Vyakarana | Dr. Ganpati Shukla   | शब्दशक्तिप्रकाशिकाकारकचक्रग्रन्थद्वयोक्तदिगा कारकप्रकरणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम् | <p>शोध शीर्षक स्वीकृत नहीं है -</p> <p>पुनः नवीन शीर्षक के साथ शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करें।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| 20 | MAYURI DAS    | CSU Sadashiv Campus, Puri | Navya Vyakarana | Prof. ANUPAMA PRUSTI | नेत्रानन्दसाहित्यपञ्चाननविरचित जुमरदर्पटीकाया सम्पादनम्                        | <p>संशोधित शीर्षक स्वीकृत है -<br/>नेत्रानन्दसाहित्यपञ्चाननविरचितस्य जुमरदर्पणस्य कारकसमासपादयोः सम्पादनमनुशीलनञ्च'</p> <p>विशेषज्ञों के परामर्शानुसार शोध प्रस्ताव में विभाग अधोलिखित प्रकार से अपेक्षित है -</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भूमिका भाग</li> <li>2. सम्पादन भाग</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |



|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|